



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसाम राण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 204] नई दिल्ली, सोमवार, जून 1, 1970/ज्येष्ठ 11, 1892

No. 204] NEW DELHI, MONDAY, JUNE 1, 1970/JYAISTHA II, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह घलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 1st June 1970

S.O. 1984.—Whereas the industrial undertaking known as the Standard Motor Products of India Ltd., Madras, is engaged in the Scheduled industry, namely, the automobile industry;

And whereas it has come to the notice of the Central Government that the volume of production of the articles manufactured in the said industrial undertaking had been gradually going down and the production has now come to a standstill consequent upon the closure of the said industrial undertaking by the management;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient to take urgent measures to remedy the situation arising out of the closure of the said industrial undertaking and to ensure that production in the said scheduled industry does not suffer to the detriment of the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:

Chairman

Shri T. A. Varghese, ICS (Retd.),
Ex-Chief Secretary,
Government of Tamil Nadu,
Madras.

Members

1. Shri N. Krishnan,
Chief Cost Accounts Officer,
Ministry of Finance,
Department of Expenditure,
New Delhi.
2. Shri T. V. Mansukhani,
Joint General Manager,
Hindustan Machine Tools Ltd.,
Pinjore.

[No. F. 1(34)/70-AEIND.]
B. D. PANDE, Secy.

श्रीधोगिक विकास, व्यान्तरिक व्यापार और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(श्रीधोगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 1 जून 1970

का० आ० 1984.—यतः श्रीधोगिक उपक्रम जो स्टेन्डर्ड मोटर प्रोडक्ट्स आंक इंडिया लिमिटेड, मद्रास, के नाम से जाना जाता है, अनुसूचित उद्योग अर्थात् आटोमोबाइल उद्योग में लगा हुआ है ;

श्री और यतः केन्द्रीय सरकार की जानकारी में यह बात आई है कि उक्त श्रीधोगिक उपक्रम में विनिपति वस्तुओं के उत्पादन का परिमाण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है श्री और प्रबन्ध द्वारा उक्त श्रीधोगिक उपक्रम के बन्द कर देने के परिणाम स्वरूप उत्पादन श्रेष्ठ रूप गया है ;

श्री और यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त श्रीधोगिक उपक्रम के बन्द हो जाने से उत्पाद होने वाली स्थिति का उपचार करने के लिए और यह मुनिश्चित करने के लिए कि उक्त अनुसूचित उद्योग के उत्पादन में लोक हित के लिए अर्धहित-कर रूप से कमी न हो, श्रावण्यक उपाय करना समीचीन है ;

यतः श्रेष्ठ उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मामले की परिस्थितियों में पूरा और सम्पूर्ण अन्वेषण करने के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों का निकाय नियुक्त करती है :

प्रा० व्रक्ष

श्री टी० ए० वरगीज, आई सी एस (सेवा निवृत्त),
भूतपूर्व मुख्य सचिव,
तामिल नाडु सरकार,
मद्रास ।

संबन्ध

- श्री एन० कृष्णन्,
मूल्य लागत लेखा अधिकारी,
वित्त मंत्रालय,
व्यव विभाग, नई दिल्ली ।
- श्री टी० बी० भनमुखानी.
संयुक्त महाप्रबन्धक,
हिन्दुस्तान मशीन टूल्स निमिट्ट
पिंजोर ।

[सं० एफ०/(34)/70-ए० है० आई० एन० फी०.]

बी० डी० पाण्डे, सचिव ।

